कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

दैनिक
नईदुनिया

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

वर्ष- 78
(भोपाल : वर्ष 39 अंक 268, पृष्ठ 12)
सोमवार 26 अगस्त, 2024
राजधानी संस्करण
कीमतः 3:00 रुपये

राजधानी...हर विकास खंड के गांव को बरसाना के .....

खेल... आईपीएलः युवराज सिंह को कोच बना सकती है .....

व्यापार... कॉग्निजेंट ने इन्फोसिस पर लगाया ....

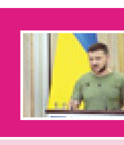
देश-विदेश... यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर ....

www.naiduniaonline.com

मन की बात में बोले प्रधानमंत्री, नई युवा पीढ़ी के ...

राजनीति में आने से विकसित भारत का लक्ष्य जल्द हासिल होगा: मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर उनके आह्वान पर बड़ी संख्या में ऐसे नौजवान राजनीति में आने के लिये तैयार बैठे हैं जिनकी पृष्ठभूमि राजनीतिक नहीं है और इससे देश को विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए नयी उर्जा, नया जोश एवं नया अनुभव मिलेगा।

श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में इसका उल्लेख करते हुए कहा कि इस साल उन्होंने लाल किले से बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं को राजनीतिक व्यवस्था से जोड़ने का आह्वान किया है। उनकी इस बात पर जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई है। इससे पता चलता है कि कितनी बड़ी संख्या में देश के युवा, राजनीति में आने को तैयार बैठे हैं। बस उन्हें सही मौके और सही मार्गदर्शन की तलाश है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें इस विषय पर देश-भर के युवाओं के पत्र भी मिले हैं। सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। लोगों ने कई तरह के सुझाव भी भेजे हैं। कुछ युवाओं ने पत्र में लिखा है कि ये उनके लिए वाकई अकल्पनीय है। दादा या माता-पिता की कोई राजनीतिक विरासत नहीं होने की वजह से, वे, राजनीति में चाहकर भी नहीं आ पाते थे। कुछ युवाओं ने लिखा कि उनके पास जमीनी स्तर पर काम करने का अच्छा अनुभव है, इसलिए, वे लोगों की समस्याओं को सुलझाने में मददगार बन सकते हैं। कुछ युवाओं ने ये भी लिखा कि परिवारवादी राजनीति, नई प्रतिभाओं का दमन कर देती है। कुछ युवाओं ने कहा कि इस तरह के प्रयासों से हमारे लोकतंत्र को और मजबूती मिलेगी। श्री मोदी ने कहा कि मैं इस विषय पर सुझाव भेजने के लिए हर किसी का धन्यवाद करता हूँ। मुझे उम्मीद है कि अब हमारे सामूहिक प्रयास से ऐसे युवा, जिनका कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है, वे भी राजनीति में आगे आ सकेंगे, उनका अनुभव, और उनका जोश, देश के काम आएगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी समाज के हर क्षेत्र से ऐसे अनेकों लोग सामने आए थे जिनकी कोई राजनीतिक पृष्टभूमि नहीं थी। उन्होंने खुद को भारत की आजादी के लिए झोंक दिया था। आज हमें विकसित भारत का लक्ष्य पाने के लिए एक बार फिर उसी भावना की जरूरत है। उन्होंने कहा,मैं अपने सभी युवा साथियों को कहूंगा इस अभियान से जरूर जुड़ें। आपका ये कदम आपके और देश के भविष्य को बदलने वाला होगा। मोदी ने हर घर तिरंगा और पूरा देश तिरंगा अभियान की कामयाबी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा वेबसाइट पर की गयीं पाँच करोड़ से ज्यादा सेल्फी ने पूरे देश को एक सूत्र में बांध दिया (शेष पेज 2 पर)

बच्चों का पोषण देश की प्राथमिकता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि बच्चों की अच्छी सेहत के लिए जरूरी है कि उन्हें सही पोषण मिलता रहे इसलिए बच्चों का पोषण देश की प्राथमिकता है। श्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में रविवार को कहा, हम सबके जीवन में फ़िटनेस का बहुत महत्व है। फिट रहने के लिए हमें अपने खानपान, रहन-सहन सब पर ध्यान देना होता है। लोगों को फ़िटनेस के प्रति जागरूक करने के लिए ही फिट इंडिया अभियान की शुरुआत की गई। स्वस्थ रहने के लिए आज हर आयु, हर वर्ग के लोग, योग को अपना रहे हैं। लोग अपनी थाली में अब श्रीअन्न को जगह देने लगे हैं। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य यही है कि हर परिवार स्वस्थ हो। उन्होंने कहा कि हमारा परिवार, हमारा समाज, और हमारा देश, और इन सबका भविष्य, हमारे बच्चों की सेहत पर निर्भर है और बच्चों की अच्छी सेहत के लिए जरूरी है कि उन्हें सही पोषण मिलता रहे। बच्चों का पोषण देश की प्राथमिकता है। वैसे तो उनके पोषण पर पूरे साल हमारा ध्यान रहता है, लेकिन एक महीना, देश, इस पर विशेष फ़ोकस करता है। इसके लिए हर साल एक सितम्बर से 30 सितम्बर के बीच पोषण माह मनाया जाता है। पोषण को लेकर लोगों को जागरूक बनाने के लिए पोषण मेला, एनीमिया शिविर जैसे कई तरीके अपनाए जाते हैं। कितनी ही जगहों पर आंगनवाड़ी के तहत माता और बच्चों की समिति की स्थापना भी की गई है। यह समिति कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की माताओं को ट्रैक करती है, उनकी लगातार निगरानी की जाती है, और उनके पोषण की व्यवस्था की जाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लिखा ब्लॉग

भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश हर युग में प्रासंगिक और प्रेरणादायी

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन धर्म, जाति, व्यक्ति एवं लिंग से बहुत ऊपर है। लोक मान्यता है कि गुणातीत देवकीनंदन श्रीकृष्ण का अवतरण जन्माष्टमी के दिन हुआ। यह पावन संयोग है कि विष्णु जी के अष्टम अवतार श्रीकृष्ण माता देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में अष्टमी तिथि को अवतरित हुए। जन्माष्टमी के पावन अवसर की प्रतीक्षा कर रहे भारत सहित दुनिया के कई देशों में बसे कृष्ण भक्तों में आनन्द और हर्षोल्लास है। द्वापर युग में आसुरी शक्तियों के अधर्म, अन्याय, पापाचार, अनाचार का प्रभाव चरम पर था। धर्म की रक्षा और अधर्मियों का नाश करने स्वयं भगवान को श्रीकृष्ण स्वरूप में पृथ्वी पर आना पड़ा। उन्होंने समस्त संसार को पाप, अधर्म, अत्याचार से मुक्त कर धर्म की संस्थापना की।

नन्हें कान्हा से योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण बनने की जीवन यात्रा में घनश्याम श्रीकृष्ण ने मनुष्य की भांति जीवन की अनेक बाधाएं, संघर्ष, दु:ख, कष्ट, अपमान तथा पीडाओं को सह कर संसार को यह शिक्षा दी कि मनुष्य फल की इच्छा छोड़कर केवल अच्छे कर्म कर स्वयं पर विश्वास करें। योगेश्वर बनने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान उनके गुरु सांदीपनि जी का है, जिन्होंने प्रिय शिष्य कृष्ण को धर्म, भक्ति, ज्ञान, योग, वेद, शास्त्र, संगीत, शस्त्र, पुराणों, गुरु सेवा एवं गुरु दक्षिणा आदि विषयों की दुर्लभ शिक्षाएं प्रदान की।

गुरु दक्षिणा में भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि जी एवं गुरूमाता को उनका खोया हुआ पुत्र पुण्डरक वापस लाकर दिया। हम सब परम सौभाग्यशाली हैं कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा-दीक्षा के साथ उनके योगेश्वर बनने की गाथा मध्यप्रदेश में लिखी गई। कंस वध के बाद भगवान श्रीकृष्ण अपने बड़े भ्राता बलराम के साथ मथुरा से शिक्षा प्राप्ति के लिए महर्षि सांदीपनि की शरण में उज्जैन आये थे। नारायण (उज्जैन) में उनकी मित्रता सुदामा से हुई। श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता की मिसाल युग-युगांतर से है। भगवान श्रीकृष्ण से मित्रता की संसार को जो शिक्षा मिली, वह अनुकरणीय है। भगवान श्रीकृष्ण ने जिस जगह शिक्षा प्राप्त की थी, उनके गुरु सांदीपनि जी का आश्रम आज भी उज्जैन में विद्यमान है, जो भगवान श्रीकृष्ण के योगेश्वर बनने का साक्षात प्रमाण है। भगवान श्रीकृष्ण, सांदीपनि जी के गुरुकुल में 64 दिन रहे। इन 64 दिनों में 64 विद्या और 16 कलाओं का ज्ञान प्राप्त किया। चार दिन में 4 वेद, 18 दिन में 18 पुराण, 6 दिन में 6 शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त किया। अपनी विनम्रमा और (शेष पेज 2 पर)

मध्यप्रदेश की पांच लखपति दीदियों ने रविवार को महाराष्ट्र के जलगांव में आयोजित लखपति दीदियों के सम्मेलन में भाग लिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संवाद किया।

लोजपा चाहती है जातिगत जनगणना हो: चिराग

रांची (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी की रविवार को रांची में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसमें केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को फिर से पार्टी का अध्यक्ष चुना गया। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस बात की घोषणा की। पार्टी ने पोस्ट में लिखा कि चिराग को फिर से पार्टी का अध्यक्ष बनाने के निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। पार्टी के दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर चिराग ने कहा कि आज रांची में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसमें देशभर से हमारे कार्यकारिणी सदस्य मौजूद थे। इस कार्यकारिणी बैठक का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करना था। मुझे लोक जनशक्ति पार्टी का दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। पासवान ने आगे कहा कि बैठक में हरियाणा, जम्मू कश्मीर और झारखंड में आगामी विधानसभा चुनावों पर भी चर्चा की गयी।

नशे के कारोबार को ध्वस्त करने का शाह ने बताया तरीका, कहा-

टॉप टू बॉटम और बॉटम टू टॉप अप्रोच अपनानी होगी

रायपुर (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि मादक पदार्थों का अवैध कारोबार ना केवल भारत के लिए चुनौती है, बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है।

उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प एवं रणनीति के साथ देश इस समस्या से पार पा सकता है। शाह ने आज नवा रायपुर के एक होटल में छत्तीसगढ़ में मादक पदार्थों के परिदृश्य पर एक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ लड़ाई में सफलता प्राप्त करने के लिए मादक पदार्थों का पता लगाने, नेटवर्क को नष्ट करने, अपराधी को हिरासत में लेने और नशे के आदी लोगों का पुनर्वास' करने के चार सूत्रों पर जोर दिया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक देश को नशा मुक्त बनाने का संकल्प किया है, जब देश की आजादी का 100 वां वर्ष मनाया जाएगा। धीरे-धीरे यह संकल्प 130 करोड़ आबादी का संकल्प बन गया है। मेरा मानना है कि नशा मुक्त भारत का संकल्प एक समृद्ध, सुरक्षित और गौरवशाली भारत बनाने में बहुत महत्वपूर्ण (शेष पेज 2 पर)

कोलकाता रेप और मर्डर मामले पर मोदी सख्त, बोले

महिलाओं के खिलाफ अपराध क्षमा योग्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कोलकाता के एक अस्पताल में महिला जूनियर डॉक्टर के रेप और हत्या को लेकर लोगों में भारी आक्रोश के बीच महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन में कहा कि महिलाओं की सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। मैं एक बार फिर हर राज्य सरकार से कहूंगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य हैं। चाहे अपराधी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए।

मोदी सरकार लखपति दीदी को एक स्वयं सहायता समूह सदस्य के रूप में परिभाषित करती है। यह वे महिलाएं हैं जो सालाना एक लाख रुपये या इससे अधिक की घरेलू आय अर्जित करती हैं। इस आय की गणना कम से कम चार कृषि मौसमों या व्यावसायिक चक्रों के लिए की जाती है। इसमें औसत मासिक आय कम के कम 10,000 रुपये होती है। मोदी ने नेपाल बस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले पर कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य है और दोषी कोई भी (शेष पेज 2 पर)

यूपीएस में यू का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न-खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने रविवार को एकीकृत पेंशन योजना की घोषणा को लेकर केंद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) में यू का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न है। कांग्रेस का यह कटाक्ष ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत एक जनवरी 2004 के बाद सेवा में शामिल होने वालों के लिए वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन की गारंटी को मंजूरी दी थी।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों से पहले सरकारी कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दी गई, जो गारंटीकृत पेंशन का आश्वासन देती है। सरकार पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यूपीएस में यू का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न है।

भारी बारिश से नदी नाले उफान पर ओंकारेश्वर बांध के सात गेट खोले

भोपाल (काप्र)। मानसूनी सिस्टमों के सक्रिय होने के चलते मध्यप्रदेश में भारी बारिश का दौर जारी है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान राजधानी भोपाल, रायसेन और टीकमगढ़ में जबर्दस्त बारिश हुयी, जिसके चलते वहां नदी नाले उफान पर बह रहे हैं। लगातार हो रही बारिश के चलते प्रदेश के लगभग सभी प्रमुख बांधों के गेट खोल दिए गए हैं।

राजधानी भोपाल में कल से जारी बारिश का यह क्रम आज दोपहर तक नहीं थमा। लगातार हो रही बारिश के चलते यहां अनेक स्थानों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गयी। वहीं, भदभदा, कलियासोत और कोलार बांध के गेट खोले गए हैं। यहां पिछले चौबीस घंटों में 112. 4 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा दर्ज की गयी है। रायसेन में लगातार बारिश से नदी नाले उफान पर हैं।

रायसेन में 94, 8 मिमी वर्षा रिकार्ड की गयी है। ओंकारेश्वर बांध के 23 गेटों में से 7 गेट आधा मीटर खोलकर 3096 क्यूमेक्स पानी नर्मदा नदी में छोड़ा गया है, इससे नर्मदा नदी ओंकारेश्वर से नीचे वाले भाग उफान पर आ गए हैं। ओंकारेश्वर बांध प्रबंधन ने गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश के निचले हिस्से में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। ओंकारेश्वर बांध के आज सात गेट खुलने के बाद प्रशासन को चेतावनी दी गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि लगातार ऊपर हो रही बरसात का पानी इंदिरा सागर बांध से छोड़ा जा रहा है, उसके बाद नर्मदा नदी ओंकारेश्वर में बने बांध पूरी क्षमता से भरने के बाद 7 गेट खोले गए हैं। लगातार बारिश के बाद गेटों की संख्या और भी बढ़ाई जा सकती है। इसलिए नर्मदा नदी के निचले हिस्से में किसी भी व्यक्ति को किनारे पर नहीं जाने की अपील की गई है। इधर, प्रशासन ने भी धार, धामनोद, महेश्वर, मंडलेश्वर, बड़वानी सनावद, बड़वा, ओंकारेश्वर, मोरटक्का, खेड़ीघाट, खेड़ी घाट में एसडीआरएफ और एनडीआरफ को तैनात कर दिया है। 2024 में ओंकारेश्वर बांध के गेट दूसरी बार खोले गए हैं। इसके पहले अगस्त के पहले पखवाड़े में 18 गेट खोले गए थे। लगातार मध्य प्रदेश में भयानक बरसात के कारण नर्मदा नदी का जलस्तर ओंकारेश्वर बांध में बढ़ने लगा था, जिसे बांध प्रबंधन द्वारा ओंकारेश्वर बांध से 8 टरबाइनों को संचालन कर 520 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर रहा था।

स्पेशल खबर — *आरजी कर अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर*

सीबीआई की छापेमारी, पूर्व प्राचार्य के परिसरों पर भी मारे छापे

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में इसके पूर्व प्राचार्य संदीप घोष, पूर्व चिकित्सा अधीक्षक सह उप प्राचार्य (एमएसवीपी) संजय वशिष्ठ और 13 अन्य लोगों के कोलकाता में एवं उसके आसपास स्थित परिसरों में रविवार को छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई ने मरीजों की देखभाल और प्रबंधन के लिए सामग्री

की आपूर्ति से जुड़े लोगों के आवासों और कार्यालयों पर भी छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी के कम से कम सात अधिकारी सुबह आठ बजे से घोष से बेलियाघाटा स्थित उनके आवास पर पूछताछ कर रहे हैं, जबकि अन्य अधिकारी वशिष्ठ एवं चिकित्सा प्रतिष्ठान के फॉरेंसिक-मेडिसिन विभाग के एक और प्रोफेसर समेत अन्य से पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय बलों के एक बड़े दल के साथ सुबह करीब छह बजे घोष के आवास पर पहुंची सीबीआई की टीम को करीब डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ा, जिसके बाद पूर्व प्राचार्य ने दरवाजा खोला। अन्य अधिकारी हावड़ा में एक आपूर्तिकर्ता के घर गए।

आरोपी संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट हुआ पूरा

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर केस से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि हत्याकांड के मुख्य आरोपी संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट पूरा हो गया है। सीबीआई की टीम जेल से बाहर निकल गई है। प्रेसीडेंसी जेल में मुख्य आरोपी संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट शुरू हुआ। अब खबर आ रही है कि संजय राय का टेस्ट पूरा हो गया है और ष्टक्चढ्ढ की टीम जेल से निकल गई है। दरअसल, कल शनिवार को कोलकाता रेप और हत्या मामले में संदीप घोष सहित 6 लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट किया गया था। संजय रॉय का टेस्ट रविवार को शुरू किया गया।